खास खबरें

थोड़ी राहतः दूसरी लहर का चरम गुजरा, पर मरने वालों का ग्राफ अब भी ऊपर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण का पीक लगभग निकल चुका है। इसके संकेत अब और भी ज्यादा मजबूत हो चुके हैं, क्योंकि बीते सात दिन से नए मामले और जांच संक्रमण दर में लगातार कमी आई है मरने वालों का ग्राफ अभी भी ऊपर है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले एक दिन में 3,43,144 नए मामले मिले हैं। चार हजार लोगों की मौत हुई है। इस दौरान 3,44,776 मरीज डिस्चार्ज भी हुए हैं। एक दिन पहले बुधवार को 3,62,720 मरीज संक्रमित पाए गए थे और चार हजार से अधिक की मौत हुई थी। बीते सात दिन की स्थिति देखें तो शनिवार को जहां 3.91 लाख केस दर्ज किए गए थे , वहीं बृहस्पतिवार को 3.43 लाख केस सामने आए हैं। लेकिन रोजाना हो रही मौतों की संख्या उच्च दर पर बनी हुई है। सात दिन का औसत रोजाना करीब चार हजार मौतों का है। गणितीय मॉडल के आधार पर प्रो रिजो एम जॉन ने बताया कि हर दिन मिलने वाले संक्रमित चार लाख से कम और जांच संक्रमण दर 20 फीसदी से भी नीचे आई है। यह सब बीते सात से आठ दिन में हुआ है जिसके आधार पर अब कहा जा सकता है कि देश में दूसरी लहर का पीक निकल चुका है या फिर निकल रहा है। केंद्र सरकार ने 16 से 31 मई के बीच टीकाकरण के लिए राज्यों को 1.92 करोड़ खुराक उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इसके लिए फार्मा कंपनियों को ऑर्डर भी दिए जा चुके हैं। इनकी आपूर्ति एक से दो दिन में शुरू हो जाएगी। हालांकि, राज्यों की मानें तो यह आंकड़ा बेहद कम है, क्योंकि देश में हर दिन 20 लाख से अधिक लोगों को टीका दिया जा रहा है। इस हिसाब से तीन करोड़ खुराक की जरूरत है, जबकि सरकार केवल 1.92 करोड़ टीका देगी, वह भी एक साथ राज्यों को नहीं मिलेंगी।

मंगल पर उतरा चीन का पहला रोवर जुरोंग, 2014 से लाल ग्रह की जानकारियां भेज रहा भारत का मंगलयान

बीजिंग। चीन का जुरोंग रोवर सात महीने की अंतरिक्ष यात्रा, तीन महीने तक ऑर्बिट की परिक्रमा और आखिरी कठिन सात मिनट को पार कर शनिवार सुबह मंगल ग्रह की सतह पर सफलतापूर्वक उतर गया। चीन के नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने शनिवार सुबह इसकी पुष्टि की है। सीएनएसए ने बताया कि देश का पहला रोवर जुरोंग मंगल ग्रह पर सफलता पूर्वक लैंड कर गया है। चीन के नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि तियानवेन-1 को 23 जुलाई, 2020 को लॉन्च किया गया था, जिसमें एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर जुरोंग शामिल था।तियानवेन-1 ने करीब 10 फरवरी को मंगल की कक्षा में प्रवेश करने के बाद से काफी महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की हैं। इसके जरिए ही ग्रह पर बर्फीले यूटोपिया का पता लगाया जा सकेगा।

आसमान में बढ़ेगी ताकतः भारतीय वायुसेना 101 स्[ड्रन को चालू करने में जुटी

अगले हफ्ते चार और राफेल विमान आएंगे भारत

साल 2016 में भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमान खरीदने का करार किया है। दोनों सरकारों के बीच 59000 करोड़ रुपये में यह सौदा तय है। संभावना जताई जा रही है कि साल के अंत तक सभी राफेल विमान भारतीय वायुसेना में शामिल हो जाएंगे।

नई दिल्ली

राफेल विमानों का छठवां जत्था 19-20 मई को भारत पहुंचेगा। फ्रांस में भारतीय दूतावास की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक अगले सप्ताह तक 4 राफेल विमानों का एक नया बैच फ्रांस से भारत के लिए निकलेगा। इसके साथ भारतीय वायुसेना में राफेल विमानों की कुल संख्या 20 हो जाएगी, अभी तक फ्रांस से आए लड़ाकू विमानों को भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। ये विमान मेरिग्नैक-बोर्डो एयरबेस से सीधे अंबाला आएंगे। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना पश्चिम बंगाल के हाशिमारा में 101 फाल्कन्स ऑफ चंब स्क्वाड्रन को फिर से जिंदा करने के लिए तैयार है।

पश्चिम बंगाल के हाशिमारा एयरबेस को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है। इसके रनवे, गोला-बारूद डिपो, ब्लास्ट पेन और कर्मियों के आवास के अलावा रखरखाव के लिए जरूरी सामग्रियों के साथ तैयार किया जा रहा है। इस महीने के आखिरी तक इसे चालू कर दिया जाएगा। इस जगह विमानों की पार्किंग होगी। युद्ध के वक्त देश में कहीं से भी लड़ाकू विमानों का संचालन यही से होगा। साल 2016 में भारत और फ्रांस के बीच 36 राफेल विमानों का समझौता हुआ है। 2022 से पहले फ्रांस को सभी विमान देने हैं। अभी तक 20 विमान भारतीय वायुसेना के बेडे में आ चुके हैं। बाकी बचे विमान साल के आखिरी में आने की उम्मीद है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में बयान दिया था कि मई के आखिरी तक भारतीय वायु सेना के पास 24 राफेल लड़ाकू विमान होंगे। अन्य सात को फ्रांस में प्रशिक्षण के लिए रखा जाएगा और दो स्क्वाड्रन के पूरा होने से पहले केवल पांच और सौंपे जाएंगे।

केरल में हुई भारी बारिश, गुजरात समेत इन राज्यों में चेतावनी जारी, मोदी करेंगे उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली

अरब सागर में बन रहे दबाव के चलते देश के तटीय इलाकों में भयंकर चक्रवात आने की संभावना है। वहीं, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा चक्रवात 'तौकाते' को लेकर जारी चेतावनी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा से निपटने की तैयारियों का जायजा लेंगे। इसके लिए वे आज यानी शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। सरकारी सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अधिकारियों समेत केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। बता दें, आईएमडी ने एक दिन पहले यानी शुक्रवार (13 मई) को कहा कि अरब सागर में बने दबाव के क्षेत्र के 17 मई को 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान' में तब्दील होने और एक दिन बाद इसके गुजरात तट को पार करने की संभावना है।

इधर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के तटीय जिलों में प्राधिकारियों को स्थिति से निपटने के लिए चौकन्ना रहने और साजोसामान तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में ठाकरे के हवाले से कहा गया, 'चौकन्ना रहिए और जहां भी जरूरत पड़े बचाव अभियान चलाएं।'

ठाकरे ने कहा कि इस चक्रवात का असर पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग जिलों में पड़ सकता है और इन जिलों के जिलाधीशों को बचाव उपकरण और श्रमबल के लिहाज से सभी आवश्यक एहतियात बरतने के लिए कहा गया है। बयान में आगे कहा गया है कि क्रवात से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए ठाकरे ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ बैठक की जिसमें उन्होंने सभी से चौकन्ना रहने के लिए कहा। आईएमडी ने आगे कहा कि मौसम स्थिति गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गई है और इसके शनिवार सुबह तक चक्रवाती तूफान 'तौकाते' में तब्दील होने की संभावना है। वहीं, शनिवार रात तक इसके अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

आसमान में हुई दो विमानों की टक्कर, फिर भी सही सलामत बच गए पायलट, आखिर कैसे..?

नई दिल्ली

अमेरिका के कोलोराडो में बुधवार को दो विमानों की आसमान में टक्कर हो गई। गनीमत ये रही है कि विमान में मौजूद सभी लोग बिना किसी चोट के जान बचाने में कामयाब रहे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, दो छोटे विमान डेनवर के पास हवा में टकरा गए, हालांकि दोनों ही विमानों में मौजूद पायलटों का पैराशूट सही समय पर खुल गया जिससे वो आराम से जमीन पर पहुंच गए और किसी की मौत नहीं हुई। टक्कर की वजह से दोनों ही विमान को भारी नुकसान पहुंचा और वो जमीन पर आकर गिर गए। दोनों विमान में कुल दो लोग सवार थे। काउंटी शेरिफ के कार्यालय के प्रवक्ता जॉन बार्टमैन के अनुसार, विमान में सिर्फ पायलट ही मौजूद था और लैंडिंग के बाद किसी भी घायल की सूचना नहीं मिली। उन्होंने बताया कि प्लेन के पिछले हिस्से को को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

बार्टमैन के मुताबिक ऐसी परिस्थितियों में आप बहुत बुरा होने की उम्मीद करते हैं। लेकिन यह आश्चर्यजनक था, हमारे अधिकार क्षेत्र में कई विमान दुर्घटनाएं हुई हैं। हमने कभी नहीं देखा कि पैराशूट की वजह से किसी की जिंदगी बची हो और विमान को सुरक्षित रूप से नीचे लाया गया।

अरापाहो काउंटी शेरिफ विभाग ने दुर्घटनास्थल से एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि विमान में सवार दोनों ही पायलट घायल नहीं हुए हैं। मुझे लगता है कि इसके लिए चमत्कार शब्द का इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर होगा। यह लॉटरी जीतने की तरह है।

आपके इम्यून को ही शरीर का दुश्मन बना देगा साइटोकाइन स्टॉर्म, जानें क्या है ये बला..?

नई दिल्ली

कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों में साइटोकाइन स्टॉर्म का खतरा बढ़ रहा है। ये एक ऐसी कंडीशन है जिसमें इंसान को कोरोना होने पर उसे मल्टीपल ऑर्गेन फेलियर की शिकायत हो जाती है। यानी शरीर के प्रमुख अंग काम करना बंद कर देते हैं। कई मामलों में इंसान की मौत भी हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कि साइटोकाइन स्टॉर्म क्या है और कोरोना में ये कैसे शरीर पर हमला करता है।

साइटोकाइन हमारी बॉडी के सेल्स यानी कोशिकाओं के अंदर एक तरह का प्रोटीन होता है। ये हमारे इम्यूनिटी रिस्पॉन्स सिस्टम का हिस्सा होता है, जो बाहरी रोगजनक वायरसों से हमारा बचाव करता है। साइटोकाइन स्टॉर्म का खतरा तब बढ़ता है जब हमारा इम्यून सिस्टम अनियंत्रित होकर साइटोकाइन का ज्यादा प्रोडक्शन करने लगता है। शरीर में बढ़े हुए साइटोकाइन हमारी ही कोशिकाओं पर हमला करना शुरू कर देते हैं जिससे उन पर बुरा असर पड़ता है और शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं। आसान भाषा में कहें तो ये हमारे इम्यून को ही शरीर का दुश्मन बना देता है। ऐसा होने पर अक्सर शरीर में ऑक्सीजन की कमी भी होने लगती है और जान को खतरा भी बढ़ जाता है। शरीर पर कितना असर- डॉक्टर्स कहते हैं कि शरीर में साइटोकाइन के बढ़ने से दिल की धड़कनें अनियंत्रित हो सकती हैं और हार्ट अटैक की संभावना सकती है। ये थ्रोम्बोसिस यानी रक्त वाहिकाओं में ब्लड क्लॉट की समस्या भी उत्पन्न कर सकता है। डॉक्टर्स कहते हैं कि कोरोना मरीजों में इसकी संभावना दूसरे सप्ताह में सबसे ज्यादा होती है। इस दौरान मरीज की हालत ज्यादा बिगड़ने पर उसे स्टेरॉयड देने की सख्त जरूरत होती है। मरीज की हेल्थ को लगातार मॉनिटर किया जाना चाहिए। यदि ऑक्सीजन सैचुरेशन लेवल लगातार नीचे जा रहा है तो तुरंत डॉक्टर को इसकी जानकारी देनी चाहिए। हालांकि इंफेक्शन के पहले चरण में हल्के लक्षण दिखने पर ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि साइटोकाइन स्टॉर्म कोरोना मरीजों के लिए बेहद घातक साबित हो सकता है। हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई बड़ी स्टडी नहीं की गई है। कोरोना संक्रमित कई मरीजों में साइटोकाइन स्टॉर्म शुरू होने के बाद उनकी हालत को तेजी से बिगड़ते देखा गया है।

फिलिस्तीन के राष्ट्रपति बोले, गाजा-वेस्ट बैंक में हिंसा का जिम्मेदार इजरायल

फिलिस्तीन

फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने गाजा पट्टी), वेस्ट बैंक और यरुशलम में जारी हिंसा को लेकर इजरायल की कड़ी निंदा की है। अब्बास ने इस हिंसा के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने इजरायल पर गाजा में नृशंस एवं प्रायोजित ढंग से फिलिस्तीनी नागरिकों की हत्या का आरोप लगाया है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि अब्बास ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है, इससे पहले की स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए।

महमूद अब्बास ने साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद आर अन्य पक्षों से कहा कि ऐसे समय में सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और प्रभावित क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक शांति स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। अब्बास ने इस हिंसा के लिए पूरी तरह से इजरायली सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इजरायली सुरक्षाबलों के साथ शुक्रवार को हुई झड़प में कम से कम 11 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। लगातार हो रही हिंसा से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी चिंतित हो उठी है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इजरायल और गाजा से तत्काल प्रभाव से हिंसा रोकने की अपील की है। गुतारेस ने चेतावनी देते हुए कहा कि मौजूदा संघर्ष को यदि नहीं रोका गया तो इससे न केवल फलस्तीनी क्षेत्र और इजरायल में बल्कि उसके आस-पास के क्षेत्र में भी सुरक्षा और मानवीय दृष्टि से एक असाधारण संकट उत्पन्न होगा। इससे चरमपंथ को और बढ़ावा मिलेगा।

गुतारेस ने इससे जुड़े विभिन्न हितधारकों से हिंसा समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के प्रयास तेज करने का आग्रह किया है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मध्यस्थता के प्रयास को लेकर पूरी तरह से सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने संघर्ष में शामिल फलस्तीनी और इजरायली नागरिकों के प्रति समर्थन जताते हुए अमेरिका, यूरोपीय संघ और रूस से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी संघर्ष के दौरान वेस्ट बैंक में मारे जाने वाले फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

'हुसैन सागर समेत हैदराबाद की ये दो झीलें कोरोना से संक्रमित'

नई दिल्ली। हैदराबाद की हुसैन सागर झील कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। एक स्टडी के मुताबिक शहर की अन्य दो झीलों में भी वायरस पाए गए हैं, इनमें पेड्डा चेरुवु या नचाराम झील और कुकटपल्ली के पास प्रगतिनगर में निज़ाम तालाब या तुर्क चेरुवु झील है। हालांकि कोरोना वायरस की पहुंच अभी उन झीलों तक नहीं है जो शहर के आसपास के शहरी और ग्रामीण इलाकों में हैं।शहर के बाहरी इलाकों में मौजूद एडुलाबाद और पोथराजू झीलें कोरोनावायरस के संक्रमण से फिलहाल मुक्त हैं। हालांकि अच्छी खबर ये है कि अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं है जिसमें कहा गया हो कि कोरोना पानी के जरिए फैलता हो। सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी है दराबाद और एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च गाजियाबाद की स्टडी में ये बात सामने आई है।

कोरोना का असरः महिला ने किया मौत का रिहर्सल, हजारों रुपये खर्च कर कराया अंतिम संस्कार

नई दिल्ली

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से दुनियाभर में कोहराम मचा हुआ है। ऐसे में चिली में एक महिला कोरोना से हुई मौतों से इतनी प्रभावित हुई कि उसने अपना खुद का नकली अंतिम संस्कार कर लिया। इसके लिए महिला ने अपने सभी दोस्तों को बुलाया और उन्हें अपने प्लान के बारे में बताया। बता दें कि इस महिला ने अपने नकली अंतिम संस्कार के लिए 710 पाउंड्स यानी लगभग 75 हजार रूपये तक खर्च कर डाले।

59 वर्षीय मायरा अलोंजो चिली के सैंटियागो शहर में रहती हैं। पिछले कुछ दिनों से कोरोना से हो रही मौतों को देखकर अपने अंतिम संस्कार के बारे में सोचने लगी थी। इसी दौरान मायरा ने अपने अंतिम संस्कार के लिए रिहर्सल करने का विचार किया और इस अजीबोगरीब काम के लिए उन्होंने अपने दोस्तों को मनाया।

डोमिनिशियन न्यूज साइट लिस्टिन डायरियो के मुताबिक, मायरा अपने नकली अंतिम संस्कार के दौरान ताबूत में कुछ घंटों के लिए लेटी रहीं। उन्होंने इस ताबूत को एक दिन के लिए किराए पर लिया था। इतना ही नहीं ताबूत के पास मौजूद मायरा के परिवार और दोस्तों ने नकली आंसू बहाए। साथ ही वहां मौजूद कई लोगों ने तस्वीर भी लिए। मायरा ने इस खास मौके पर सफेद ड्रेस पहनी थी और एक फूलों का क्राउन पहना हुआ था। साथ ही उन्होंने अपने नाक में रुई भी लगाई हुई थी जैसा कि आमतौर पर मृत लोगों के अंतिम संस्कार के समय लगाई जाती है।

आपका राशिफल 16 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करें। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक 1 3 5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें, संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक 4 6 7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

चारधाम 2021: पावन वेला में खुले गंगोत्री धाम के कपाट, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री ने कराई पहली पूजा

उत्तरकाशी। इससे पहले शुक्रवार को यमुनोत्री धाम के कपाट खोले गए। हालांकि इस बार कोरोना महामारी की वजह से आम श्रद्धालु चारधाम यात्रा के लिए नहीं आ पाएंगे। वहीं सरकार इन धामों के ऑन लाइन दर्शन करवाने की बात भी कर रही है। अक्षय तृतीया के मिथुन लग्न की शुभ बेला पर शनिवार को आज प्रात: साढ़े सात बजे पर विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट छह माह के लिए खोल दिए गए। कोरोना महामारी के मद्देनजर सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार इस बार बिना श्रद्धालुओं के कपाट खोले गए। कपाटोद्घाटन पर पहली पूजा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत द्वारा भेंट स्वरूप भेजी गई 1101-1101 रुपये की धनराशि के साथ हुई ।शुक्रवार को शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव से मां गंगा की भोग मूर्ति को डोली यात्रा के साथ गंगोत्री धाम के लिए रवाना किया गया था। डोली यात्रा भैरोंघाटी स्थित प्राचीन भैरव मंदिर में रात्रि विश्राम के पश्चात आज शनिवार को तड़के गंगोत्री पहुंची।

स्पेशल खबर *एलएसी की बाकी जगहों पर चीनी सेना की उपस्थिति बनी हुई है*

सेटेलाइट में कैद हुई चीनी हलचल, एलएसी पर जारी हैं चीन की हरकतें

नई दिल्ली

गर्मियों के साथ ही पहाड़ों पर बर्फ का पिघलना जारी है। ऐसे में भारत-चीन सीमा पर चीनी सेना द्वारा अपनी पोजीशन में दोबारा से बदलाव किया जा रहा है। चीनी सेना ने हॉट स्प्रिंग्स एरिया और लद्दाख के गोगरा एरिया में कुछ बदलाव किए गए हैं। इंडिया टुडे को स्पेस कंपनी कैपेला से प्राप्त हुई सेटेलाईट इमेजेस का विश्लेषण करने के बाद ये बात साबित होती है कि चीनी सेना ने बॉर्डर एरिया में मामूली से बदलाव किए हैं।

प्राप्त सेटेलाइट इमेज से एलएसी पर चीनी सेना की उपस्थिति के बारे में प्रमाणित होता है, हालांकि कुछ फॉरवर्ड पोजीशंस (अग्रिम मोर्चे) पर चीनी सेना की उपस्थिति में कमी आई है, लेकिन बैकवर्ड पोजीशंस पर चीनी जत्थों का कंट्रोल अभी भी पहले की ही तरह है और वहां नए आवास और बंकर भी बनाए जा रहे हैं।

बीते महीनों में भारत और चीन के बीच लगातार वार्ता हुई हैं, जिसके बाद गलवान नदी घाटी और पैन्गोंग लेक एरिया में दोनों देशों ने अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटा लिया। लेकिन एलएसी की बाकी जगहों पर चीनी सेना की उपस्थिति बनी हुई है।

गोगरा पोस्ट पर चीनी सेना ने साल 2020 के जुलाई महीने के आसपास नए निर्माण करना शुरू कर दिया था। दोनों सेनाओं के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देश कुछ पीछे हटे भी लेकिन इन नई सेटेलाईट इमेजेस से पता चलता है कि गोगरा पोस्ट के आसपास चीनी पोस्ट और वाहन बने हुए हैं।

गोगरा पोस्ट की फरवरी, 2021 की ऑप्टिकल सेटेलाईट इमेज और 12 अप्रैल की सिंथेटिक-एपर्चर रडार (एसएआर) सेटेलाईट इमेज की तुलना करने पर पता चलता है कि यहां के आसपास के क्षेत्र में अभी यथास्थिति बनी हुई है

हॉट स्प्रिंग के आसपास पहले कुछ जगहों पर एलएसी की उपस्थिति थी, उसमें भी अब मामूली से बदलाव किए गए हैं।

इस क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई है। लंबे समय तक इस कठिन क्षेत्र में रहने के लिए लोजिस्टिक्स और मानव संसाधन की तैनाती के कारण इस क्षेत्र में भी मामूली बदलाव की संभावना है। हालांकि हॉट स्प्रिंग्स के पास बैकवर्ड पोजीशन में जहां पिछले साल भी चीनी सेना ने स्थायी निर्माण किया था, उसपर अब भी चीनी अधिग्रहण जारी है।

भारत और चीन के बीच विवादित क्षेत्रों में से एक डेप्सांग भी है, पिछली साल यहां चीनी सेना ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया था।